

ओ सांवरे शरण में आई जगत से हार के लिरिक्स



ओ सांवरे शरण में आई,
जगत से हार के,
शरण में आई,
जो भी जग से हारा,
दिया तूने सहारा,
सुनकर के मैं भी आई,
शरण में आई,
जगत से हार के,
शरण में आई,
ओ सांवरे शरण में आई,
जगत से हार के।

तर्ज - ओ राम जी बड़ा दुःख दिना ।

अपनों ने अपना बनकर लुटा,
अपनों ने अपना बनकर लुटा,
सारा जगत अब लागे है झूठा,
फिरूँ मैं तो मारी मारी,
समझो ना लाचारी,
तेरी दुनिया रास ना आई,
शरण में आई,
जगत से हार के,
शरण में आई,
ओ सांवरे शरण में आई,
जगत से हार के।

राधा जैसी शक्ति नहीं है,
राधा जैसी शक्ति नहीं है,
मीरा जैसी भक्ति नहीं है,
कैसे तुझको रिझाऊँ,
कैसे तुझको मनाऊँ,
असुवन की झड़ी लगाई,
शरण में आई,
जगत से हार के,
शरण में आई,
ओ सांवरे शरण में आई,
जगत से हार के।



निर्बल का बल तुम कहलाते,
निर्बल का बल तुम कहलाते,
शरणागत की लाज बचाते,
मुझे गले लगा ले,
मुझे अपना बना ले,
ये 'श्याम' ने अर्जी लगाई,
Bhajan Diary Lyrics,
शरण में आई,
जगत से हार के,
शरण में आई,
ओ सांवरे शरण में आई,
जगत से हार के।bd।

ओ सांवरे शरण में आई,
जगत से हार के,
शरण में आई,
जो भी जग से हारा,
दिया तूने सहारा,
सुनकर के मैं भी आई,
शरण में आई,
जगत से हार के,
शरण में आई,
ओ सांवरे शरण में आई,
जगत से हार के।bd।

Singer – Priyanka Gupta